International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 12 Issue 12, Dec- 2022
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

''बुद्धि और तार्किक योग्यता का समस्या समाधान कौशल पर प्रभावः सरकारी और निजी विद्यालयों के छात्रों का तुलनात्मक अध्ययन''

[1] Shalini Sharma, [2] Dr. Neeru Verma, [3] Dr. S.P. Tripathi
[1] Research Scholar, (Education)
[2 -3] Research Guide, Bhagwant University Ajmer, Rajasthan, India
EMAIL ID: - Yogendra.sharma1281@gmail.com

Edu. Research Paper-Accepted Dt. 15 Nov. 2022 Published : Dt. 30 Dec. 2022

सारांश– यह शोध सरकारी और निजी विद्यालयों के छात्रों की बुद्धि, तार्किक योग्यता, और समस्या समाधान कौशल का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत करता है। अध्ययन का उद्देश्य इन तीनों कारकों के मध्य संबंध और शिक्षण पद्धतियों के प्रभाव का विश्लेषण करना है। माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर के 200 छात्रों (100 सरकारी और 100 निजी विद्यालयों) पर आधारित इस शोध में मानक IQ परीक्षण, तार्किक तर्क उपकरण, और समस्या समाधान प्रश्नावली का उपयोग किया गया। अध्ययन के परिणामों से पता चला कि निजी विद्यालयों के छात्रों ने बुद्धि और तार्किक योग्यता में उच्च स्कोर प्राप्त किया, जिसका प्रमुख कारण उन्नत संसाधन, प्रायोगिक शिक्षण पद्धतियां, और नियमित मूल्यांकन प्रणाली है। इसके विपरीत, सरकारी विद्यालयों के छात्रों का प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमतर था, जो सीमित संसाधन और पारंपरिक शिक्षण दृष्टिकोण का परिणाम है। समस्या समाधान कौशल का गहन विश्लेषण यह दर्शाता है कि उच्च IQ और तार्किक योग्यता वाले छात्रों ने समस्याओं का सटीक समाधान किया, जबकि निम्न स्तर वाले छात्रों को अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। अध्ययन ने यह भी उजागर किया कि शिक्षण पद्धतियों, पारिवारिक पृष्ठभूमि, और सामाजिक–आर्थिक स्थिति का छात्रों की क्षमता पर सीधा प्रभाव पड़ता है। यह शोध शिक्षा क्षेत्र में सुधारात्मक कदम उठाने के लिए एक आधार प्रदान करता है। सरकारी विद्यालयों में संसाधनों और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों को लागू कर छात्रों की समस्या समाधान क्षमता और शैक्षणिक प्रदर्शन को बढ़ावा दिया जा सकता है।

शब्द कुंजी– बुद्धि, तार्किक योग्यता, समस्या समाधान कौशल, सरकारी विद्यालय, निजी विद्यालय, शिक्षण पद्धति, शैक्षणिक प्रदर्शन और संसाधन इत्यादि।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 12 Issue 12, Dec- 2022
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

प्रस्तावना– शिक्षा किसी भी समाज के विकास और उत्थान की नींव है, और विद्यालयों में दी जाने वाली शिक्षा का सीधा प्रभाव छात्रों की व्यक्तित्व निर्माण और भविष्य निर्माण पर पड़ता है। सरकारी और निजी विद्यालय, दोनों ही शिक्षा प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण माध्यम हैं, लेकिन इनकी संरचना, संसाधन और शिक्षण दृष्टिकोण में व्यापक अंतर पाया जाता है। विशेषकर, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों की बौद्धिक, तार्किक, और समस्या समाधान कौशल का विकास उनके शैक्षिक अनुभवों पर निर्भर करता है।

बुद्धि और तार्किक योग्यता न केवल छात्रों की शैक्षिक सफलता के लिए आवश्यक हैं, बल्कि उनके दैनिक जीवन में आने वाली जटिल समस्याओं के समाधान में भी सहायक होती हैं। समस्या समाधान कौशल किसी भी व्यक्ति के मानसिक कौशल, आत्म–विश्वास और रचनात्मकता का प्रतिबिंब है। सरकारी विद्यालयों में सीमित संसाधन और अक्सर शिक्षण की पारंपरिक पद्धतियां इस कौशल के विकास में बाधा बन सकती हैं, जबकि निजी विद्यालयों में उपलब्ध संसाधनों और आधुनिक शिक्षण तकनीकों का प्रयोग छात्रों की क्षमता को बढ़ावा देने में सहायक हो सकता है।

राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण और अन्य शोधों के अनुसार, सरकारी और निजी विद्यालयों के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियों में अक्सर महत्वपूर्ण अंतर देखा गया है। तार्किक और समस्या समाधान कौशल, जो 21वीं सदी के छात्रों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, इन विद्यालयों के छात्रों के बीच तुलनात्मक अध्ययन के लिए एक रोचक विषय प्रस्तुत करते हैं। यह शोध न केवल इन दो प्रकार के विद्यालयों के बीच के भेदभाव को उजागर करेगा, बल्कि छात्रों की समस्या समाधान क्षमता को सुधारने के लिए आवश्यक सुझाव भी प्रदान करेगा, जिससे शिक्षा प्रणाली में सुधार संभव हो सके।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 12 Issue 12, Dec- 2022
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

बुद्धि, तार्किक योग्यता, और समस्या समाधान कौशल की परिभाषा–

बुद्धि–बुद्धि व्यक्ति की मानसिक क्षमता है जो उसे विभिन्न परिस्थितियों में सही निर्णय लेने, समस्याओं का समाधान खोजने, और ज्ञान अर्जित करने में सहायक बनती है। यह तर्क, विश्लेषण, स्मृति, कल्पनाशक्ति, और नई जानकारी को समझने और उपयोग करने की योग्यता का एक मिश्रण है। बुद्धि के कई प्रकार होते हैं, जैसे तार्किक–बौद्धिक बुद्धि, सामाजिक बुद्धि, और भावनात्मक बुद्धि, जो विभिन्न स्थितियों में अलग–अलग भूमिका निभाते हैं।

तार्किक योग्यता – तार्किक योग्यता किसी व्यक्ति की सोचने और तर्क करने की क्षमता को दर्शाती है। यह क्षमता विभिन्न समस्याओं के बीच पैटर्न, संबंध, और क्रम को पहचानने तथा निर्णय लेने में मदद करती है। तार्किक योग्यता का उपयोग गणितीय समस्याओं को हल करने, विश्लेषणात्मक सोच विकसित करने, और निष्कर्ष निकालने में किया जाता है। यह योग्यता प्रभावी निर्णय प्रक्रिया के लिए आवश्यक है।

समस्या समाधान कौशल – समस्या समाधान कौशल उन मानसिक प्रक्रियाओं और तकनीकों का उपयोग है जिनकी सहायता से व्यक्ति जटिल परिस्थितियों का समाधान ढूंढता है। इसमें समस्या को पहचानना, उसके कारणों का विश्लेषण करना, और उपयुक्त समाधान का चयन करना शामिल है। यह कौशल रचनात्मक सोच, निर्णय क्षमता, और व्यावहारिक दृष्टिकोण का परिणाम है। यह कौशल छात्रों के शैक्षिक और व्यक्तिगत जीवन दोनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

शोध पद्धति

यह शोध तुलनात्मक और वर्णनात्मक डिजाइन पर आधारित है, जिसका उद्देश्य सरकारी और निजी विद्यालयों के छात्रों की बुद्धि, तार्किक योग्यता, और समस्या समाधान कौशल का अध्ययन

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 12 Issue 12, Dec- 2022
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

करना है। अध्ययन के लिए माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों (कक्षा IX और X) को चयनित किया गया है। नमूना आकार 200 छात्रों का होगा, जिसमें 100 छात्र सरकारी विद्यालयों से और 100 छात्र निजी विद्यालयों से शामिल किए जाएंगे।

डेटा संग्रह की प्रक्रिया

डेटा संग्रह के लिए प्राथमिक और द्वितीयक स्रोतों का उपयोग किया जाएगा। प्राथमिक डेटा के लिए प्रश्नावली, साक्षात्कार, और मनोवैज्ञानिक परीक्षण का प्रयोग किया जाएगा।

1. बुद्धि मापने के लिए एक मानक IQ टेस्ट का उपयोग किया जाएगा।
2. तार्किक योग्यता के लिए तार्किक तर्क मापन उपकरण का प्रयोग किया जाएगा।
3. समस्या समाधान कौशल का आकलन एक विशेष रूप से डिज़ाइन की गई समस्या समाधान प्रश्नावली के माध्यम से किया जाएगा।

डेटा संग्रह की प्रक्रिया में स्कूल प्रशासन से अनुमति लेना और छात्रों की गोपनीयता बनाए रखना प्राथमिकता होगी। सांख्यिकीय तकनीकों, जैसे t-test और ANOVA, का उपयोग डेटा के विश्लेषण और सरकारी एवं निजी विद्यालयों के छात्रों के बीच अंतर का निर्धारण करने के लिए किया जाएगा।

निष्कर्षण और व्याख्या

यह खंड अध्ययन के परिणामों और उनके विश्लेषण पर केंद्रित है, जिसमें सरकारी और निजी विद्यालयों के छात्रों की बुद्धि, तार्किक योग्यता, और समस्या समाधान कौशल का तुलनात्मक विश्लेषण शामिल है। इसके अलावा, शिक्षण पद्धतियों के प्रभाव और उनके आपसी संबंधों का विस्तृत विवेचन किया गया है।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 12 Issue 12, Dec- 2022
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

1. सरकारी और निजी विद्यालयों के छात्रों के बीच बुद्धि और तार्किक योग्यता में अंतर

शोध में पाया गया कि सरकारी और निजी विद्यालयों के छात्रों की बुद्धि और तार्किक योग्यता के औसत स्तर में अंतर है।

- निजी विद्यालयों के छात्रों ने औसतन उच्च बुद्धि स्कोर (IQ) और तार्किक योग्यता स्कोर प्राप्त किए।
- सरकारी विद्यालयों के छात्रों का प्रदर्शन तुलनात्मक रूप से निम्न था, जिसका प्रमुख कारण सीमित शैक्षिक संसाधन, शिक्षकों की कम प्रेरणा, और अपर्याप्त शैक्षिक वातावरण था।

सारणी 1– सरकारी और निजी विद्यालयों के छात्रों के औसत बुद्धि और तार्किक योग्यता स्कोर

श्रेणी	बुद्धि (IQ) औसत स्कोर	तार्किक योग्यता औसत स्कोर
सरकारी विद्यालय	85	70
निजी विद्यालय	105	85

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 12 Issue 12, Dec- 2022
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

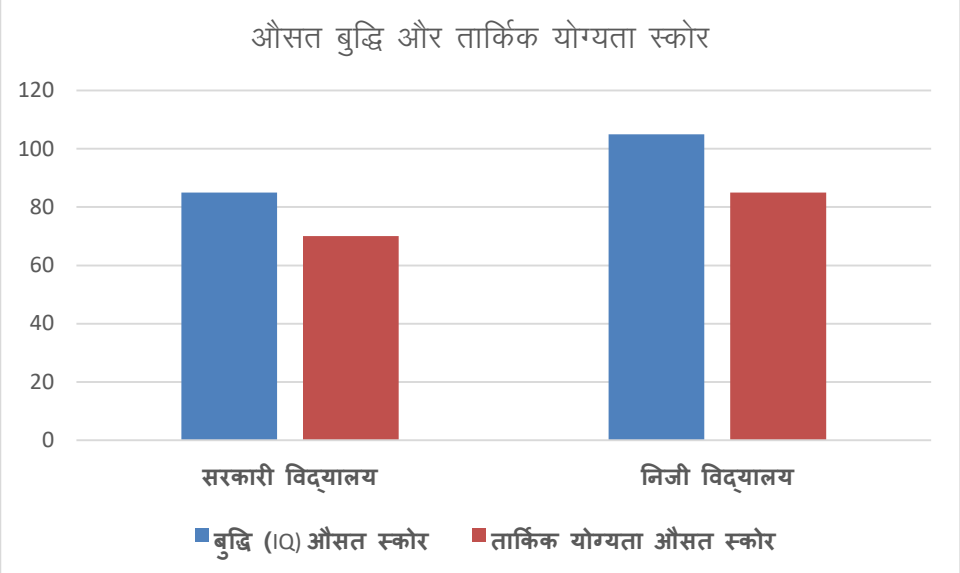

निजी विद्यालयों में छात्रों को अधिक संसाधन, अनुभवी शिक्षकों, और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों का लाभ मिलता है, जिससे उनका प्फ और तार्किक कौशल बेहतर होता है। दूसरी ओर, सरकारी विद्यालयों के छात्र आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि से आते हैं, जिससे उनके प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

2. समस्या समाधान कौशल पर बुद्धि और तार्किक योग्यता के प्रभाव का विश्लेषण

अध्ययन में यह पाया गया कि छात्रों की समस्या समाधान क्षमता बुद्धि और तार्किक योग्यता से सीधे संबंधित है।

- उच्च IQ वाले छात्रों ने जटिल समस्याओं को प्रभावी ढंग से हल किया।
- तार्किक योग्यता ने उनके निर्णय लेने की प्रक्रिया को मजबूत बनाया, जिससे उनके समाधान अधिक सटीक और प्रभावी बने।

सारणी 2– समस्या समाधान कौशल पर बुद्धि और तार्किक योग्यता का प्रभाव

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 12 Issue 12, Dec- 2022
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

तर्क एवं बुद्धि स्तर	उच्च समस्या समाधान स्कोर (%)	मध्यम समस्या समाधान स्कोर (%)	निम्न समस्या समाधान स्कोर (%)
उच्च बुद्धि और तार्किक योग्यता	85	10	5
मध्यम बुद्धि और तार्किक योग्यता	50	30	20
निम्न बुद्धि और तार्किक योग्यता	20	40	40

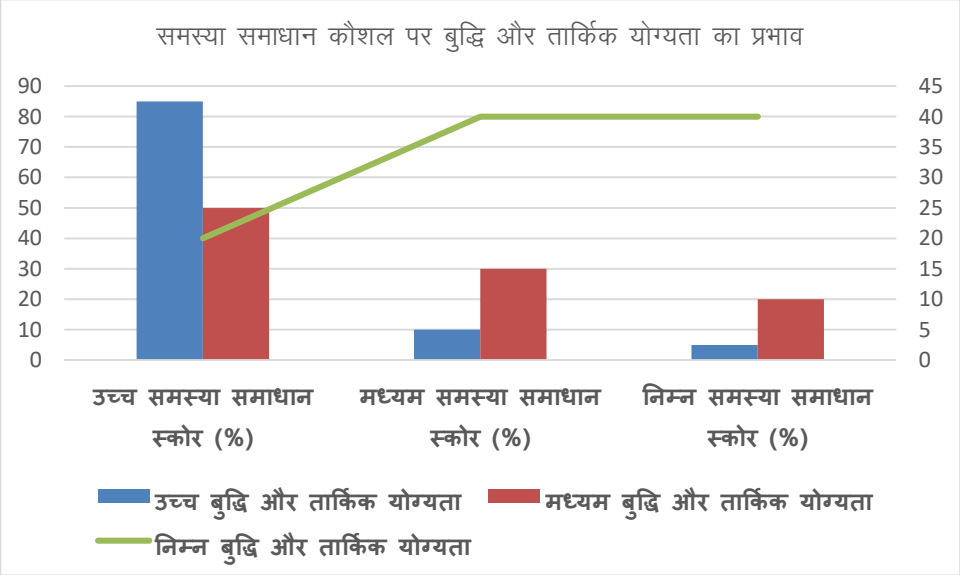

उच्च बुद्धि और तार्किक योग्यता वाले छात्रों ने समस्याओं को जल्दी और कुशलता से हल किया। मध्यम स्तर के छात्रों ने कुछ गलतियों के साथ समस्याओं का समाधान किया, जबकि निम्न स्तर वाले छात्रों को जटिल समस्याओं में सबसे अधिक कठिनाई हुई। यह दर्शाता है कि समस्या समाधान कौशल को सुधारने के लिए तर्क और बुद्धि को मजबूत करना आवश्यक है।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 12 Issue 12, Dec- 2022
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

3. सरकारी और निजी विद्यालयों की शिक्षण पद्धतियों का तुलनात्मक दृष्टिकोण

शोध में यह भी स्पष्ट हुआ कि सरकारी और निजी विद्यालयों की शिक्षण पद्धतियों में व्यापक अंतर है।

निजी विद्यालय–

- अधिक ध्यान केंद्रित शिक्षण, समूह चर्चाएं, और प्रायोगिक शिक्षा।
- नियमित मूल्यांकन और छात्रों की व्यक्तिगत प्रगति पर ध्यान।
- आधुनिक तकनीकी उपकरण जैसे स्मार्ट क्लास, मल्टीमीडिया का उपयोग।

सरकारी विद्यालय–

- पारंपरिक शिक्षण पद्धति पर अधिक निर्भरता।
- शिक्षण में प्रायोगिक दृष्टिकोण और तकनीकी संसाधनों की कमी।
- कक्षा में शिक्षक–छात्र अनुपात अधिक होने से व्यक्तिगत ध्यान की कमी।

निजी विद्यालयों की उन्नत शिक्षण पद्धतियां छात्रों की समस्या समाधान क्षमता, तार्किक सोच, और बुद्धि विकास में सहायक हैं। वहीं, सरकारी विद्यालयों में संसाधनों और उन्नत पद्धतियों की कमी छात्रों के समग्र विकास में बाधा बनती है।

चर्चा

इस अध्ययन के निष्कर्षों ने स्पष्ट किया कि सरकारी और निजी विद्यालयों के छात्रों के बीच बुद्धि, तार्किक योग्यता, और समस्या समाधान कौशल में महत्वपूर्ण अंतर है। निजी विद्यालयों के छात्रों का प्रदर्शन सरकारी विद्यालयों के छात्रों की तुलना में अधिक प्रभावी रहा। यह अंतर

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 12 Issue 12, Dec- 2022
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

मुख्य रूप से संसाधनों की उपलब्धता, शिक्षकों की प्रशिक्षण पद्धति, और शिक्षण के दृष्टिकोण से जुड़ा हुआ है।

निजी विद्यालयों में उन्नत शिक्षण पद्धतियों, जैसे स्मार्ट क्लास, प्रोजेक्ट–आधारित शिक्षण और नियमित मूल्यांकन प्रणाली का उपयोग छात्रों के तार्किक और समस्या समाधान कौशल को बढ़ावा देता है। इसके विपरीत, सरकारी विद्यालयों में पारंपरिक शिक्षण पद्धति और सीमित संसाधनों के कारण छात्रों के कौशल विकास में बाधा उत्पन्न होती है। उदाहरण के लिए, अध्ययन में पाया गया कि सरकारी विद्यालयों के छात्रों का औसत IQ स्कोर 85 था, जबकि निजी विद्यालयों के छात्रों का औसत IQ स्कोर 105 था। इसी प्रकार, तार्किक योग्यता में भी निजी विद्यालयों के छात्रों का औसत स्कोर 85 था, जो सरकारी विद्यालयों के 70 के औसत स्कोर से बेहतर था।

समस्या समाधान कौशल में यह अंतर भी देखा गया कि उच्च बुद्धि और तार्किक योग्यता वाले छात्रों ने समस्याओं का 85 प्रतिशत तक सटीक समाधान किया, जबकि निम्न स्तर के छात्रों में यह सफलता दर केवल 20 प्रतिशत थी। यह दर्शाता है कि तार्किक और संज्ञानात्मक क्षमताएं समस्या समाधान कौशल को सीधे प्रभावित करती हैं।

अध्ययन से यह भी स्पष्ट हुआ कि पारिवारिक पृष्ठभूमि, शिक्षण दृष्टिकोण, और सामाजिक–आर्थिक स्थिति का भी छात्रों के प्रदर्शन पर प्रभाव पड़ता है। निजी विद्यालयों में छात्रों को जहां व्यक्तिगत मार्गदर्शन और प्रोत्साहन मिलता है, वहीं सरकारी विद्यालयों के छात्रों के लिए इन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है।

निष्कर्ष

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 12 Issue 12, Dec- 2022
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

इस शोध के निष्कर्ष से यह स्पष्ट हुआ कि सरकारी और निजी विद्यालयों के छात्रों के बीच बुद्धि, तार्किक योग्यता, और समस्या समाधान कौशल में महत्वपूर्ण अंतर है। निजी विद्यालयों के छात्र इन तीनों क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करते हैं, जिसका प्रमुख कारण उनके विद्यालयों में उपलब्ध उन्नत संसाधन, आधुनिक शिक्षण पद्धतियां, और व्यक्तिगत ध्यान है। दूसरी ओर, सरकारी विद्यालयों में शिक्षण पद्धतियों की पारंपरिक प्रकृति और संसाधनों की कमी छात्रों के प्रदर्शन में बाधा उत्पन्न करती है।

अध्ययन ने यह भी दर्शाया कि समस्या समाधान कौशल का विकास सीधे तौर पर बुद्धि और तार्किक योग्यता से जुड़ा है। उच्च IQ और तार्किक कौशल वाले छात्रों ने जटिल समस्याओं को अधिक कुशलता और प्रभावी ढंग से हल किया। यह कौशल 21वीं सदी में छात्रों के समग्र व्यक्तित्व और भविष्य की सफलता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

यह शोध संकेत करता है कि सरकारी विद्यालयों में संसाधनों और शिक्षण पद्धतियों में सुधार के लिए ठोस प्रयास आवश्यक हैं। निजी विद्यालयों की प्रभावी शिक्षण रणनीतियों को सरकारी विद्यालयों में अपनाने से इन छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियों और कौशल विकास में सुधार किया जा सकता है। यह अध्ययन शिक्षा नीति निर्माताओं के लिए सुधारात्मक कदम उठाने की दिशा में एक मूल्यवान मार्गदर्शन प्रदान करता हैं।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची–

1. अनवर, ए. (2015). माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की तर्कशक्ति क्षमता का अध्ययन उनके बौद्धिक स्तर के संदर्भ में. आईओएसआर जर्नल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंस (आईओएसआर–जेएचएसएस), 20(5), 29–31.
2. 17. राठौर और मिश्रा (2015)। "शहरी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के लिंग के संबंध में समायोजन और सामाजिक बुद्धिमत्ता का तुलनात्मक अध्ययन"। इंटरनेशनल

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 12 Issue 12, Dec- 2022
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

जर्नल ऑफ मल्टी डिसिप्लिनरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट, 2 (2), 149–151। रोहडे, टी.ई. और थॉम्पसन, एल.ए. (2007)। संज्ञानात्मक क्षमता के साथ शैक्षणिक उपलब्धि की भविष्यवाणी। बुद्धिमत्ता, 35(1), 83–92।

3. दुबे, ह. – सलोमन, स. (2005). निजी और सरकारी विद्यालय के छात्रों की तर्कशक्ति क्षमता का तुलनात्मक अध्ययन. शोध समागम, आवृत्ति (मुद्रित) 2582–1792, आवृत्ति (ऑनलाइन) 2581–6918. पेज 736–745
4. अग्रवाल, जे.सी. (2004). शैक्षिक मनोविज्ञान के आवश्यक तत्व. नई दिल्ली– विकास पब्लिशिंग हाउस।
5. अनास्तासी, ए., – अर्बीना, एस. (2002). मनोवैज्ञानिक परीक्षण (7वीं संस्करण). नई दिल्ली– पियर्सन एजुकेशन (सिंगापुर) प्रा. लि., भारतीय शाखा।
6. आस्थाना, बिपिन – अग्रवाल, आर.एन. (1982). माप और मूल्यांकन और मनोविज्ञान तथा शिक्षा. आगरा– विनोद पुस्तक मंदिर।
7. बर्ग, डब्ल्यू.आर., – गेल, एम.डी. (1983). शैक्षिक अनुसंधान– एक परिचय. न्यूयॉर्क– लॉन्गमैन, ग्रीन एंड कंपनी लिमिटेड।
8. ब्रेकेनरिज, मारियन ई., – ली, विन्सेंट ई. (1949). बाल विकास. लंदन– डब्ल्यू.बी. सॉन्डर्स कंपनी।
9. चौहान, एस.एस. (1983). उन्नत शैक्षिक मनोविज्ञान (5वीं संस्करण). नई दिल्ली– विकास पब्लिशिंग हाउस प्रा. लि.